भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
पूर्व बस्तर डिवीजनल कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

2 मई 2013

फर्जी मुठभेड़ में फूलसिंह और जयसिंह की निर्मम हत्या के खिलाफ आवाज उठाओ!

पुलिस और अर्द्ध सैनिक बलों के हमलों का प्रतिरोध करो!

जनयुद्ध को तेज करके आपरेशन ग्रीनहंट को हरा दो!

प्यारे लोगो!

1 मई 2013 को नारायणपुर जिला (पूर्व बस्तर डिवीजन) छोटे डोंगर पुलिस व सीआरपीएफ के द्वारा मढोहनार पंचायत के ओड़नार गांव के दो आदिवासी किसान भाइयों – फूलसिंह एडो व जयसिंह एडो की पांडरीपानी जंगल में एक फर्जी मुठभेड़ में निर्मम हत्या की गयी। 30 अप्रैल को छोटे डोंगर थानेदार ने खबर भेजकर दोनों भाइयों को थाना बुला लिया था। रात में थाने में ही रखकर सुबह वर्दी पहनाकर जंगल में ले जाकर नजदीक से गोली मार दी। परिवार जनों को लाशें न देकर आनन–फानन में पोस्टमार्टम करवाकर छोटे डोंगर में ही दफना दिया गया। लाश की मांग करने पर परिवारजनों को गोली मारने की धमकी देकर भगा दिया गया था। मुठभेडों के बाद लाशों को परिवार जनों को सौंपने की बजाए पुलिस द्वारा अपमानजनक ढंग से दफनाया जा रहा है। लाशें मांगने पर बदसलूकी, पिटाई और धमकी दी जा रही है।

इन सामान्य और निहत्थे आदिवासी किसानों की क्रूरतापूर्वक हत्या करने के बाद पुलिस 35,000 रुपए के इनामी माओवादी कमाण्डरों को मार गिराने का झूठा प्रचार रेडियो व समाचार माध्यामों से कर रही है। नारायणपुर एसपी से लेकर स्थानीय जन–विरोधियों तक इस मुठभेड़ की योजना में शामिल हैं। हर थाना व कैंप को गिरफ्तारियों व मुठभेडों का कोटा दिया जा रहा है। इनाम व प्रमोशन पाने के लिए लोगों के साथ अमानवीय व्यवहार करने उकसाया जा रहा है। दरअसल झूठी मुठभेडों के द्वारा जनता के बीच आतंक फैलाकर नेको जायसवाल कंपनी के लिए आमदाय खदान चालू करने का रास्ता साफ करने की साजिश चल रही है। हमारी पार्टी भाकपा (माओवादी), पीएलजीए व क्रांतिकारी जनतना सरकारों को खत्म करके जनता के जल–जंगल–जमीन व संसाधनों को दलाल पूंजिपतियों व बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के हवाले करने के लिए जनता पर जारी अन्यायपूर्ण युद्ध – आपरेशन ग्रीनहंट का ही हिस्सा हैं गांवों पर हमले, अवैध गिरफ्तारियां, झूठी मुठभेड़ें व नरसंहार।

पूर्व बस्तर डिवीजन में केशकाल से लेकर कुवानार, भानपुरी एवं बारसूर इलाकों में गांवों पर रोज पुलिसिया हमले जारी हैं। सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेजा जा रहा है। घरों को जला दिया जा रहा है। संपत्ति को लूटा जा रहा है। झूठी मुठभेड़ में ग्रामीणों की लगातार हत्या की जा रही है। नरसंहार किये जा रहे हैं। झूठी मुठभेड़ में अब तक सुकलाल, कचरू, रनाय, दसरी, सोनारू, दिलीप, रजनु सलाम, विजय (नेगी यादव – गांव छिनारी), लालसिंह, सुकलाल (राजवेड़ा), फूलों, दलसाय, सेतु, कांडे, रमोली (ओंगनार), गुदराम, सीतु, सुदु (कोंगेरा), जूनू कोर्राम (जत्थापारा), सीतराम (तोतेर), मंगलू (टुंडेर), गुदराम नेडी (मांदोडा), सनाउ कुमेटी (निब्रा), मेघनाथ (सरंडी), एडनार के 2 जन और भी कइयों की हत्या की गयी।

क्रांतिकारी आन्दोलन व विस्थापन विरोधी आन्दोलनों से जनता को दूर करने की मंशा से सरकार एक तरफ दमन का बढ़–चढ़कर प्रयोग करते हुए दूसरी तरफ झूठी सुधार योजनाओं की नौटंकी कर रही है। लोक लुभावन नारों से जनता के एक तबके को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। सरकारी सशस्त्र बलों के द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के नाम पर लोगों के खून से सने हाथों से चड्डी–बनियन, झोला, किताब, कापी, बर्तन, आदि बांटकर पुलिसिया दरिंदगी पर परदा डालने व लोगों को भरमाने की नाकाम कोशिश कर रही है। आत्मसमर्पण का पैकेज घोषित करके सघर्षरत जनता, पार्टी व पीएलजीए कैडरों को सघर्ष से अगल–थलग करने लालच दिखा रही है। सघर्ष का रास्ता आत्मसम्मान, इज्जत सब कुछ छोड़कर मुखबिर, जन दुश्मन बनने व पुलिस की गुलामी करने तैयार लोगों को छोड़कर बाकी तमाम लोगों पर दमन जुल्म व

अत्याचार आम बात हो गयी है। अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ा कर नये कैंप–थाने बैठाए जा रहे हैं। भारतीय सेना को भी आगे जाकर युद्ध में उतारने प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भाइयो व बहनो,

दलाल पूंजिपतियों व बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुनाफे के लिए लुटेरी सरकारें हमें अपनी धरती से बेदखल करना चाहती हैं। हमारी क्रांतिकारी जनताना सरकारों को खत्म करना चाहती हैं। हमारी जन मुक्ति छापामार सेना का सफाया करना चाहती हैं। हमारे अस्तित्व व आत्मसम्मान दांव पर लगे हुए हैं। जन सघर्ष, जन प्रतिरोध व जनयुद्ध को तेज करके जल–जंगल–जमीन व संसाधनों पर अपना जन्मसिद्ध अधिकार कायम करेंगे। क्रांतिकारी जनताना सरकारों को मजबूत करते हुए विस्तार करेंगे।

- **फूलसिंह और जयसिंह की झूठी मुठभेड़ सहित गांवों पर हमलों, अवैध गिरफ्तरियों, तमाम झूठी मुठभेडों, नरसंहार के खिलाफ आवाज बुलंद करो!**
- **मुठभेड़ों या झूठी मुठभेड़ों में शहीद हुए लोगों की लाशें परिवार जनों को सौम्पने की मांग करो! लाशों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने की मांग करो!**
- **झूठी मुठभेडों में शामिल पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों के अधिकारियों व जवानों को बर्खास्त करने, हत्या का जुर्म दर्ज करके गिरफ्तार करने की मांग करें!**
- **तमाम अर्द्धसैनिक बलों को बस्तर संभाग से वापस भेजने की मांग करो!**
- **बस्तर में भारतीय सेना का प्रशिक्षण बंद करने, अबूझमाड़ पर प्रस्तावित सैन्य प्रशिक्षण शाला को वापस लेने की मांग करें!**
- **सिविक एक्शन प्रोग्राम जोकि जनता को भरमाने की साजिश है, को बहिष्कार करो!**
- **आत्मसमर्पण नहीं, आत्मसम्मान व अस्तित्व के लिए लड़ेंगे!**
- **जन संघर्षों व जनयुद्ध को तेज करके जनता पर जारी युद्ध – आपरेशन ग्रीनहंट को हराएंगे!**
- **क्रांतिकारी जनताना सरकारों को मजबूत करेंगे – विस्तार करेंगे!**

नीति,

प्रवक्ता,

पूर्व बस्तर डिवीजनल कमेटी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)